जाग उठा हमारा

आजाद हिन्दुस्तान

सच के साथ.....

RNI No.-MPHIN/2001/14172

AZAD हिन्दुस्तान LIVE

इस केक में छिपा है टोकसर सम्मेलन का राज

वर्ष-22 अंक-39 इन्दौर/खरगोन/बड़वाह 20 सितम्बर से 26 सितम्बर 2022 सम्पादक : नवरत्नमल जैन Email.azadindore@gmail.com पेज-4 वार्षिक मूल्य- 150 रु.

टोकसर के विशाल कांग्रेस सम्मेलन में कांग्रेस की चुनावी रणनीति हुई साफ

2023 के विधानसभा चुनाव में बड़वाह विधानसभा सीट पर नरेन्द्र पटेल ही होंगे कांग्रेस के प्रत्याशी.... टोकसर सम्मेलन में पुख्ता संकेत

सचिन यादव ने कहा-2023 में नरेन्द्र पटेल बड़वाह विधानसभा चुनाव जीत कर विधायक के रूप में हमारे साथ जाएंगे भोपाल

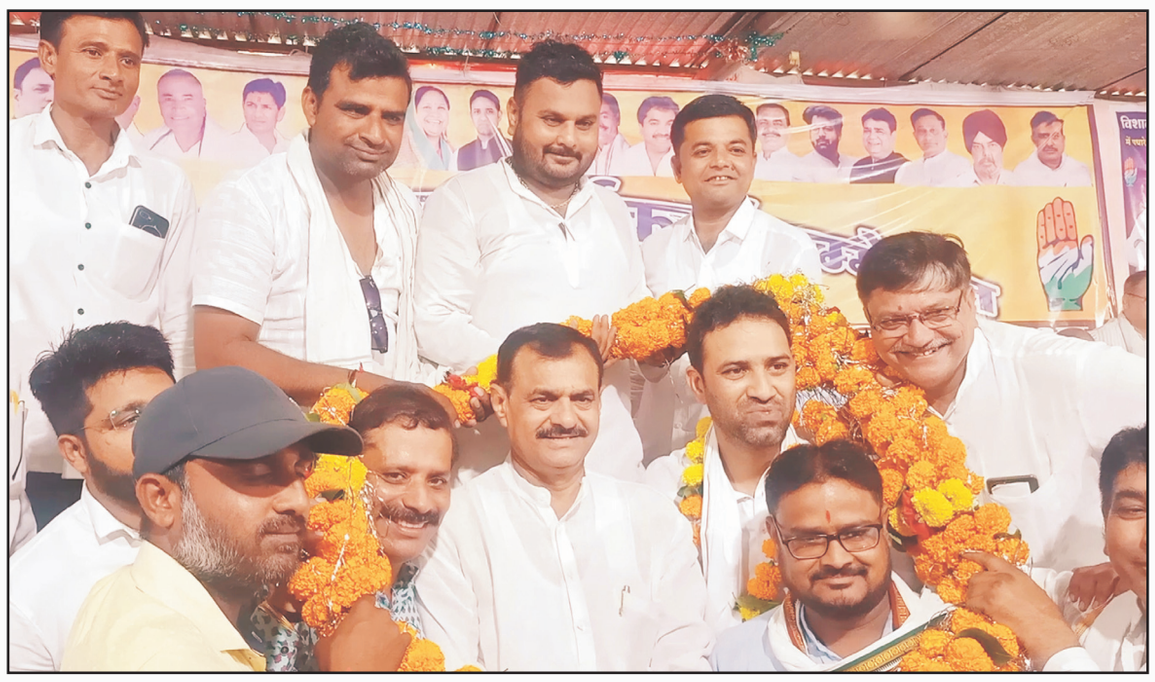

नवरत्नमल जैन

सनावद/ टोकसर - मुझे पूरा विश्वास है कि 45 वर्षो से कांग्रेस के लिये निस्वार्थ रूप से अपना पसीना बहाने वाले श्री नरेन्द्र पटेल 2023 के विधानसभा चुनाव में हमारे साथ बडवाह का विधायक बनकर भोपाल विधानसभा में पहूचेंगें। आप सभी को कमर कसलेना है कि इस बार हर हालत में श्री नरेन्द्र पटेल को चुनाव जिता कर विधायक बनाना है।-यह वक्तव्य रविवार को पूर्व कृषि मंत्री श्री सचिन यादव ने टोकसर में आयोजित विशाल कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित जनसमुदाय को सम्बाधित करते हूये कहा तो लोगों ने नरेन्द्र पटेल जिंदाबाद के नारों से पूरा पांडाल गुंजायमान कर दिया। पूर्व कृषि मंत्री श्री सचिन यादव का यह बयान कोई साधारण बयान नही है क्यो कि हजारों कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ नेताओं एवं 2023 के चुनाव में टिकिट के अन्य दावेदारों की उपस्थिति में श्री सचिन यादव जैसे नेता द्वारा श्री नरेन्द्र पटेल को भावी विधायक बताना यह तय कर गया कि कांग्रेस ने 2023 के लिये अपना उम्मीदवार तय कर लिया है और इस कार्यकर्ता सम्मेलन के बहाने कांग्रेस ने सभी नेताओं एवं दावेदारों को स्पस्ट संकेत देदिया कि 2023 में श्री नरेन्द्र पटेल ही विधायक पद के लिये प्रत्याशी होगें और सभी कार्यकर्ताओं को अब नरेन्द्र पटेल की जीत के लिये सक्रीय होजाना है। अन्य दावेदारों को भी आज स्पस्ट संकेत मिल गया कि वे अपनी दावेदारी के बजाय अब 2023 में कांग्रेस को विजयी बनाने के लिये एकजुट होजाये।

पत्रकार वार्ता में भी अपनी बात पर कायम रहे सचिन यादव

कार्यक्रम के बाद जब पत्रकारों ने श्री सचिन यादव से पूछा कि क्या कांग्रेस ने श्री नरेन्द्र पटेल को 2023 के विधानसभा चुनाव हेतु उम्मीदवार बनाना तय कर लिया है। आप द्वारा उन्हे भावी विधायक बताना क्या संकेत देता है ? तब भी श्री सचिन यादव ने कहा कि मेरी ही क्या यहां मोजूद हर कार्यकर्ता की यही इच्छा है कि अब तक निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले तथा हर अवसर पर अपने अधिकार का त्याग करने वाले नरेन्द्र पटेल विधायक बने। आज की यह उपस्थिति, वर्तमान के चुनाव परिणामों ने श्री नरेन्द्र पटेल की नेतृत्व क्षमता को सबके सामने रखा है।

कांग्रेस की सोची-समझी चुनावी रणनीति का हिस्सा नजर आता है यह कार्यकर्ता सम्मेलन

यूं तो विधानसभा चुनाव 2023 में है लेकिन कांग्रेस ने अभी से विधानसभा चुनाव के लिये पूरी तरह कमर कसली है। यही कारण है कि बड़वाह विधानसभा क्षेत्र में रविवार को आयोजित विशाल कांग्रेस सम्मेलन 2023 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद बन गया। यूं तो कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री श्री नरेन्द्र पटेल ने इस सम्मेलन को विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का नाम दिया था जिसमें अभी हाल ही में सम्पन्न त्रिसतरीय पंचायत चुनाव एवं नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस समर्थित सरपंच, जनपद सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पालिका पार्षदों का सम्मान समारोह का कार्यक्रम रखा गया था साथ ही इस सम्मेलन में कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं से लेकर सभी आनुसांगिक संगठनों को भी आमंत्रित किया गया था। लेकिन ज्यो ज्यों सम्मेलन का माहोल रंग लाने लगा उस समय यह स्पष्ट होगया कि यह सम्मेलन 2023 के विधानसभा चुनाव में टिकिट की पुख्ता दावेदारी जताने के लिये श्री नरेन्द्र पटेल का शक्ति प्रदर्शन था। जिसमें वे काफी हद तक सफल रहे।

इसमे कोई दोराय नही कि इस सम्मेलन की सफलता के लिये श्री नरेन्द्र पटेल ने पूरी ताकत लगाई और वर्तमान में पूरी विधानसभा क्षेत्र में श्री नरेन्द्र पूरी ताकत से कांग्रेस संगठन को लीड कर रहे है। जिसका परिणाम यह रहा कि हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी विधानसभा क्षेत्र से वहां पहूंचे। हांलाकि कार्ड में दिये गये दिग्गजों में से श्री अरूण यादव, सुश्री विजय लक्ष्मी साधौ, जीतु पटवारी, विशाल पटेल, संजय शुक्ला, रवि जोशी, केदार डाबर, झूमा सोलंकी, जैसे ज्यादातर वरिष्ठ नेता एवं विधायक नही आ सके लेकिन फिर भी पूर्व कृषि मंत्री श्री सचिन यादव, खरगोन जिला प्रभारी जयदीपसिंह ठाकुर, सह जिला प्रभारी श्री अकिंत पाठक, पूर्व सासंद श्री ताराचंद पटेल, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री कुलदीसिंह भाटिया मोजूद थे। हजारों कार्यकर्ताओं एवं वरिष्ठ नेताओं तथा टिकिट के अनेक दावेदारों के बीच श्री सचिन यादव द्वारा श्री नरेन्द्र पटेल को भावी विधायक बताना यह प्रदेश कांग्रेस की चुनावी रणनीति का हिस्सा भी नजर आता है।

सूत्रों के अनुसार प्रदेश कांग्रेस द्वारा इस बार पूरी रणनीति के साथ चुनाव लडा जारहा है ऐसे में चुनाव के लगभग डेढ साल पहले बड़वाह सीट पर श्री नरेन्द्र पटेल के नाम पर लगभग हरी झंडी देकर प्रत्याशी को चुनावी तैयारियों के लिये पूरा अवसर देना, विरोधियों को मनाने के लिये समय देना एवं बूथ स्तर पर सफल चुनावी शतरंज बिछाने के लिये पर्याप्त समय देना भी कारण हो सकता है। श्री नरेन्द्र पटेल के नाम को हरी झंडी मिलने से अब दावेदारों को अपना मन समझालेने के लिये भी समय मिलेगा कि 2023 में उनके लिये कोई अवसर नही है साथ ही उनकी नाराजगी को मिटाने तथा उन्हे अपने साथ लेने के लिये भी श्री नरेन्द्र पटेल के पास पर्याप्त समय होगा।

लिफाफा देखकर ही मजमून समझ में आ गया और केक देखकर सम्मेलन का उद्देश्य नजर में आ गया

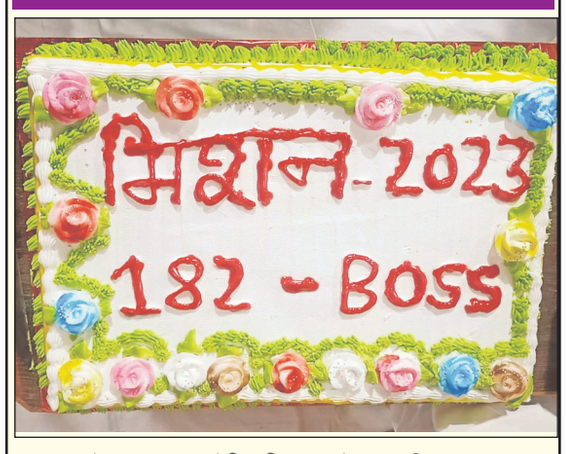

यूं तो एक कहावत है कि लिफाफा देखकर ही खत का मजमून समझ में आजाता है उसी तरह जिसने भी इस आयोजन के कार्ड, उसमें दिग्गज अतिथियों के नाम देखे होगें उससे ही उनको आभाष होगया होगा कि श्री नरेन्द्र पटेल के नेतृत्व में किया गया यह कार्यकर्ता सम्मेलन कोई साधारण नही बल्कि कोई न कोई खास उद्देश्य को लेकर आयोजित किया गया है। क्यो कि अभी न तो इस वर्ष विधानसभा चुनाव है और न कोई अन्य विशेष कारण कि इतने व्यापक स्तर पर कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया जाये।

लेकिन सम्मेलन की शुरूआत में श्री नरेन्द्र पटेल के जन्मदिन पर काटा गया केक जिसने भी देखा उससे पूरी की पूरी पिक्चर साफ होगई। क्यो कि इस केक पर हेप्पी बर्थ डे नही बल्कि लिखा गया था मिशन 2023-182-बोस। बस समझने वालों को समझ में आगया कि यह सम्मेलन नरेन्द्र भाई के जन्म दिन पर साधारण कार्यकर्ता सम्मेलन नही बल्कि 2023 में बड़वाह विधानसभा चुनाव में श्री नरेन्द्र पटेल को टिकिट की हरी झंडी देकर चुनाव की तैयारियों का स्पस्ट संकेत देने के लिये आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम समापन के पहले ही बड़वाह के ज्यादातर नेता कार्यक्रम स्थल से हुए रवाना

कार्यक्रम की शुरूआत में बड़वाह क्षेत्र के सभी नेता जिनमें श्री कुलदीप सिंह भाटिया, श्री बाबूलाल जैन, श्री अशोक जैन पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष श्री डोंगर सिंह खंडाला, वरिष्ठ नेता श्री ईश्वरचंद दस्साणी, नीलेश रोकडिया, विमल बरडिया, श्री रमिन्दर सिंह भाटिया, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री अनिल राय,सोहन शाह, अखिलेश व्यास, जनपद सदस्य श्री संतोष मालवीय, शहजाद खान,आदि अनेक नेता, पार्षद एवं सरपंच मंच पर मोजूद थे। लेकिन श्री कूलदीप सिंह भाटिया और अशोक जैन को छोडकर बड़वाह क्षेत्र के ज्यादातर नेता कार्यक्रम समापन होने के पहले ही कार्यक्रम स्थल से रवाना होगये। अब इसे संयोग कहे या लिफाफा देखकर उन्होने खत का मजमून समझ लिया ये तो वो ही जाने। हो सकता है इन सब नेताओं को एक साथ एक ही समय पर कोई ना कोई आवश्यक काम आगया हो जिससे उन्हे सम्मेलन के बीच में से जाना पडा हो या फिर कोई अन्य कारण ये तो वो ही बता सकते है। तो दूसरी ओर बड़वाह युवक कांग्रेस की इस सम्मेलन में की गई उपेक्षा से युवक कांग्रेस के नेता भी नाराज नजर आये।

अब नरेन्द्र पटेल की जिम्मेदारी बढ़ी : राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पहली बडी चुनौती

विधानसभा चुनाव के लिये हरी झंडी मिलने के बाद अब नरेन्द्र पटेल की सबसे बडी चुनौती श्री राहूल गांधी की भारत जोडों यात्रा को सफल बनाना है। लेकिन इसके पहले अब उन्हे बड़वाह विधानसभा क्षेत्र के सभी नेताओं को एकजुट करना होगा। नाराज लोगो को मनाना तथा जमीनी स्तर पर संगठन को जीवित करना किसी बडी चुनौती से कम नही है। खासकर बड़वाह नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में। जहां पहले से ही कांग्रेस बडी गुट बाजी का शिकार होकर छिन्न भिन्न है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्री डोंगर सिंह खंडाला ने इसी गुटबाजी के चलते पद से त्याग पत्र देदिया। नगरपालिका चुनाव मे अध्यक्ष पद के दावेदार को जिस तरह कांग्रेस के भी वोट नही मिले वो भी गुटबाजी का ही परिणाम है ऐसे में यदि बड़वाह की गुटबाजी को श्री नरेन्द्र पटेल समय पर कंट्रोल नही कर पाये तो 2023 के चुनाव में उन्हे भारी दिक्कतों को सामना करना पड सकता है।साथ ही राहूल गांधी की भारत जोडों यात्रा की सफलता भी कांग्रेस की एकजुटता पर ही निर्भर करती है।

सनावद क्षेत्र की लीड कायम रखना एवं बड़वाह में लीड लाने पर ही होगा श्री नरेन्द्र पटेल के विधायक बनने का सपना पूरा

श्री नरेन्द्र पटेल को श्री सचिन यादव के माध्यम से कांग्रेस ने 2023 में विधानसभा प्रत्याशी बनाये जाने को हरी झंडी तो देदी लेकिन श्री नरेन्द्र पटेल को अब दोहरी स्तर पर चुनौती पर काम करना होगा। एक ओर सचिन बिरला के कांग्रेस छोडने के बाद गुर्जर समाज को अपने पक्ष में पूरी तरह एकजुट करना, दूसरा मोर्चा लाली शर्मा के निस्कासन के बाद सनावद शहर में लोगों का अपने प्रति विश्वास जीतना तथा सबसे महत्वपूर्ण बड़वाह शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भयंकर गुट बाजी से छिन्न भिन्न कांग्रेस को एकजुट बनाना। इन तीनो मोर्चो पर यदि नरेन्द्र पटेल सफल होगये तो उनका विधायक बनने का सपना पूरा हो सकता है लेकिन इन तीनों मोर्चो मे से एक भी मोर्चे पर कमजोर पडे तो उन्हे भारी चुनौती का सामना भी करना पड सकता है।

जिला प्रभारी ने कहा कि विधायक सचिन बिरला गद्दार एवं बिकाऊ निकल गया, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता टिकाऊ है...

जिला प्रभारी श्री जयदीप सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जिस सचिन बिरला को जिताया था वो गद्दार निकला।वो डर कर एवं अपने स्वार्थ के चक्कर में कांग्रेस को छोडकर भाजपा में चला गया लेकिन विधायक बिकाउ हो सकता है कांग्रेस के कार्यकर्ता नही। वो बिकाउ नही टिकाउ है। और इस बार के चुनाव में एक बार फिर कांग्रेस के कार्यकर्ता कांग्रेस प्रत्याशी को जिताकर यह साबित कर देगे कि कांग्रेस अभी भी जिंदा है।

सचिन यादव ने कहा कि भाजपा कुपोषित बच्चों का पोषण हार कर करोड़ों खा गये और प्रधानमंत्री कूनो पार्क में चीतों से खेल रहे हैं

अपने सम्बोधन में पूर्व कृषि मंत्री श्री सचिन यादव ने भाजपा की केन्द्र एवं राज्य सरकार को जम कर कोसा। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार के मंत्री और नेता कुपोषित बच्चों के पोषण हार घोटाले में करोडों खा गये तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री चीतों को लाने में करोडों की राशी बर्बाद कर रहे है।उन्हे कुपोषित बच्चों से मिलने एवं उन के लिये एक शब्द बोलने की फुरसत नही लेकिन कूनों में चीतों के लिये करोडों बर्बाद करने का समय है। उन्होने कहा कि यह धोटाले की सरकार है इसका जाना अब तय है इसलिये सभी कांग्रेस जन एकजुट होजाओं और 2023 में हम सबकों प्रदेश में और 2024 में केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनाना है।

श्रीमती आरती पटेल की गूंज - इस बार नरेन्द्र पटेल को टिकिट नही मिला तो दिल्ली से लेकर सड़कों तक मोर्चा खोलेंगे

वैसे तो केक काटने के साथ ही इस सम्मेलन की रणनीति साफ होगई थी लेकिन श्रीमति आरती पटेल ने अपने भाषण में इस सम्मेलन के उद्देश्य को पूरी तरह साफ कर दिया। उन्होने उपस्थित नेताओं से चैतावनी भरे लहजे में कहा कि श्री नरेन्द्र भाई ने 45 सालों से हर अवसर पर पार्टी के वफादार सिपाही की तरह हर आदेश का पालन किया और अपने अधिकार का बलिदान दिया लेकिन इस बार हम साफ करना चाहते है कि 2023 में श्री नरेन्द्र पटेल को टिकिट मिलना ही चाहिये यदि नही मिला तो हम दिल्ली से भोपाल एवं सडकों तक मोर्चा खोलेगें।

केक, आरती जी का भाषण तथा फिर सचिन यादव जी का श्री नरेन्द्र पटेल के नाम को हरी झंडी देना यह प्रदेश कांग्रेस की सोची समझी रणनीति का ही स्पस्ट हिस्सा नजर आता है